भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. 219

सोमवार, 21 जुलाई, 2025/30 आषाढ़, 1947 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

क्रूज़ पर्यटन को बढ़ावा देना

219. श्री अरुण गोविल:
श्री लुम्बाराम चौधरी:
श्री कोटा श्रीनिवास पूजारी:
श्री दिनेशभाई मकवाणा:
श्री बिद्युत बरन महतो:
श्री दिलीप शइकीया:
श्री प्रवीण पटेल:
श्री मनोज तिवारी:
श्री बिभु प्रसाद तराई:
डॉ. हेमंत विष्णु सवरा:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में क्रूज़ पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्रूज़ भारत मिशन का ब्यौरा तथा इसे लागू किए जाने की प्रक्रिया क्या है;

(ग) देश में विशेष रूप से अंतरराष्ट्रीय पर्यटक आगमन, रोजगार सृजन और आर्थिक वृद्धि की दृष्टि से क्रूज़ पर्यटन की अपार संभावनाओं को बढ़ावा देने में क्रूज़ भारत मिशन की क्या भूमिका है;

(घ) क्या सरकार ने देश में क्रूज़ पर्यटन को बढ़ाने में उत्तर-पूर्वी राज्यों की भूमिका निर्धारित की है और यदि हाँ, तो तत्सम्बन्धी ब्यौरा क्या है;

(ङ) क्या सरकार प्रयागराज से वाराणसी के लिए पर्यटकों हेतु क्रूज़ सेवा शुरू करने की योजना बना रही है;

(च) क्या सरकार क्रूज़ पर्यटन को क्षेत्रीय तथा विरासत पर्यटन परिपथों, जिसमें दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र भी शामिल है, के साथ जोड़ने का प्रस्ताव रखती है और यदि हाँ, तो तत्सम्बन्धी ब्यौरा क्या है;

(छ) क्या दिल्ली जैसे अंतर्देशीय शहरों को प्रमुख क्रूज़ बंदरगाहों से बहु-माध्यमिक पर्यटन के माध्यम से जोड़ने के लिए कोई प्रचार अभियान अथवा बुनियादी ढांचा विकास की पहल की जा रही है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा तथा वर्तमान स्थिति क्या है; और

(ज) क्या सरकार महाराष्ट्र के तटीय क्षेत्रों और पालघर को क्रूज़ पर्यटन विकास में शामिल करने की कोई योजना बना रही है यदि हाँ, तो तत्सम्बन्धी ब्यौरा क्या है तथा पिछले पाँच वर्षों के दौरान क्या प्रयास किए गए हैं?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ज): क्रूज पर्यटन सहित पर्यटक गंतव्यों और उत्पादों का विकास एवं संवर्धन संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन द्वारा किया जाता है। मंत्रालय विभिन्न योजनाओं और पहलों के माध्यम से राज्यों/ संघ राज्यक्षेत्र के प्रयासों को संपूरित करता है।

पर्यटन मंत्रालय, 'पर्यटन अवसंरचना विकास हेतु केंद्रीय एजेंसियों को सहायता' योजना के अंतर्गत पूर्ण प्रस्ताव प्राप्त होने पर, क्रूज पर्यटन और नदियों के किनारे क्रूजिंग सहित पर्यटन के विकास के लिए केंद्र सरकार की एजेंसियों को केंद्रीय वित्तीय सहायता (सीएफए) प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त, पर्यटन मंत्रालय ने स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत विकास हेतु तटीय परिपथ को पंद्रह विषयगत परिपथों में से एक के रूप में चिह्नित किया है। विभिन्न राज्यों में इन योजनाओं के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं की सूची **अनुबंध** में दी गई है।

जैसा कि पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय द्वारा बताया गया है, देश में क्रूज पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा निम्नलिखित कदम/पहलें शुरू की गई हैं:

(i) बर्थिंग के लिए कार्गो जहाज की तुलना में क्रूज जहाज़ को प्राथमिकता दी जाती है।
(ii) मानक बंदरगाह शुल्क और मामूली यात्री कर के संदर्भ में युक्तिसंगत क्रूज़ टैरिफ लागू किया गया है। इसके अलावा, बंदरगाह टैरिफ में उनकी कॉल की संख्या के आधार पर 10% से 30% तक की छूट का प्रावधान भी किया गया है।
(iii) क्रूज जहाज़ों को आकर्षित करने के लिए आउस्टिंग प्रभारों को हटा दिया गया है।
(iv) विदेशी क्रूज जहाज़ के लिए कैबोटेज माफ कर दिया गया है। इस छूट के परिणामस्वरूप विदेशी क्रूज पोत को घरेलू यात्रा के दौरान भारतीय नागरिकों को एक भारतीय पत्तन से दूसरे भारतीय पत्तन तक लाने-ले जाने की अनुमति मिल गई है।
(v) ई-वीज़ा और आगमन पर वीजा की सुविधाएं प्रदान की गई हैं।
(vi) पर्यटन को बढ़ावा देने हेतु विदेश जाने वाले जहाज़ों के लिए तटवर्ती यात्रा जहाज़ में परिवर्तित होने पर सशर्त आईजीएसटी छूट को मंजूरी दी गई है। यह छूट छह माह के भीतर उनके फिर से विदेश जाने वाले जहाज़ों के रूप में परिवर्तित हो जाने की शर्त पर दी गई है।
(vii) बंदरगाहों, सीमा शुल्क, आव्रजन, सीआईएसएफ, पोर्ट हेल्थ, क्रूज एजेंट, क्रूज टर्मिनल संचालकों, राज्य सरकार, पर्यटन बोर्डों आदि जैसे विभिन्न हितधारकों द्वारा एक समान और पूर्व-निर्धारित सेवाओं के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) लागू की गई है।
(viii) एकल ई-लैंडिंग कार्ड शुरू किया गया है जो क्रूज यात्रा कार्यक्रम में सभी बंदरगाहों के लिए

मान्य है।

(ix) क्रूज़ भारत मिशन (सीबीएम) को सितंबर, 2024 में लॉन्च किया गया है, जिसका उद्देश्य विभिन्न केंद्रीय और राज्य सरकार की एजेंसियों को शामिल करके समग्र सरकारी दृष्टिकोण प्रदान करना है। सीबीएम, क्रूज़ क्षेत्र को नियंत्रित करने वाली नीति, नियामक और अन्य पहलुओं पर कार्य करने के लिए अंतर-मंत्रालयीय दृष्टिकोण के लिए एक रूपरेखा प्रदान करता है और सभी नियामक एजेंसियों, जैसे सीमा-शुल्क, आव्रजन, सीआईएसएफ, राज्य पर्यटन विभाग, राज्य समुद्री एजेंसियां, जिला प्रशासन और स्थानीय पुलिस की जिम्मेदार भागीदारी को सक्षम बनाता है।

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय ने यह भी बताया है कि देश में अंतर्देशीय जलमार्ग परिवहन के समग्र विकास में तेज़ी लाने और राज्यों के सक्रिय सहयोग से माल ढुलाई, यात्री आवाजाही और रिवर क्रूज पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए, माननीय केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री की अध्यक्षता में एक अंतर्देशीय जलमार्ग विकास परिषद (आईडब्ल्यूडीसी) की स्थापना की गई है, जिसमें राष्ट्रीय जलमार्गों, अन्य अंतर्देशीय जलमार्गों और संबंधित इको सिस्टम के व्यापक विकास हेतु राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों के प्रतिनिधि शामिल किए गए हैं। आईडब्ल्यूडीसी की दिनांक 8 जनवरी, 2024 को आयोजित पहली बैठक के दौरान, भारत में रिवर क्रूज पर्यटन के विकास के लिए एक रोडमैप जारी किया गया।

*****

अनुबंध

श्री अरुण गोविल, श्री लुम्बाराम चौधरी, श्री कोटा श्रीनिवास पूजारी, श्री दिनेशभाई मकवाणा, श्री बिद्युत बरन महतो, श्री दिलीप शइकीया, श्री प्रवीण पटेल, श्री मनोज तिवारी, श्री बिभु प्रसाद तराई और डॉ. हेमंत विष्णु सवरा द्वारा क्रूज़ पर्यटन को बढ़ावा देना के संबंध में दिनांक 21.07.2025 को पूछे जाने वाले लोक सभा के लिखित प्रश्न संख्या 219 के भाग (क) से (ज) के उत्तर में **विवरण**

केंद्रीय एजेंसियों को सहायता योजना के अंतर्गत बंदरगाहों और जलमार्गों पर अवसंरचना के विकास के लिए स्वीकृत परियोजनाओं की सूची

(लाख रु. में)

क्र. सं.	**राज्य/संघ राज्यक्षेत्र**	**वर्ष**	**परियोजना का नाम**	**कार्यान्वयन एजेंसी**	**स्वीकृत राशि**
1.	तमिलनाडु	2012-13	चेन्नई पोर्ट में मौजूदा यात्री टर्मिनल में क्रूज यात्री सुविधा केंद्र	चेन्नई पोर्ट ट्रस्ट	1724.66
2.	गोवा	2014-15	मोरमुगाओ पोर्ट ट्रस्ट में क्रूज टर्मिनल बिल्डिंग	मोरमुगाओ पोर्ट ट्रस्ट	879.04
3.	केरल	2016-17	विलिंगडन द्वीप, कोच्चि, केरल में वॉकवे/प्रोमेनेड का विकास	कोचीन पोर्ट ट्रस्ट	901.00
4.	केरल	2016-17	एर्नाकुलम घाट के बर्थ और बैकअप क्षेत्र के उन्नयन के लिए केंद्रीय वित्तीय सहायता	कोचीन पोर्ट ट्रस्ट	2141.00
5.	महाराष्ट्र	2016-17	एक पर्यटक गंतव्य के रूप में कानोजी आंग्रे लाइटहाउस के विकास के लिए मुंबई पोर्ट ट्रस्ट को केंद्रीय वित्तीय सहायता	मुंबई पोर्ट ट्रस्ट	1500.00
6.	महाराष्ट्र	2017-18	इंदिरा डॉक, मुंबई में अंतरराष्ट्रीय क्रूज टर्मिनल का उन्नयन/आधुनिकीकरण	मुंबई पोर्ट ट्रस्ट	1250.00
7.	गोवा	2018-19	मोरमुगाओ में आव्रजन सुविधा में सुधार और मौजूदा क्रूज बर्थ को गहरा करना	मोरमुगाओ पोर्ट ट्रस्ट	1316.40
8.	केरल	2018-19	कोच्चि पोर्ट क्रूज टर्मिनल में अवसंररचना का विकास करना	कोचीन पोर्ट ट्रस्ट	120. 79
9.	केरल	2018-19	कोच्चि पोर्ट ट्रस्ट वॉकवे पर अतिरिक्त पर्यटन सुविधाओं का निर्माण	कोचीन पोर्ट ट्रस्ट	466.47

10.	आंध्र प्रदेश	2018-19	विशाखापत्तनम बंदरगाह के बाहरी बंदरगाह में चैनल बर्थ क्षेत्र में क्रूज-सह-तटीय कार्गो टर्मिनल का निर्माण	विशाखापत्तनम पोर्ट ट्रस्ट	3850.00
11.	केरल	2019-20	नए कोचीन पोर्ट ट्रस्ट टर्मिनल में अतिरिक्त अवसंरचना के विकास हेतु सीएफए	कोचीन पोर्ट ट्रस्ट	1029.70
12.	गोवा	2021-22	गोवा के मोरमुगाओ पोर्ट ट्रस्ट (एमपीटी) द्वारा मोरमुगाओ पोर्ट पर अंतर्राष्ट्रीय और घरेलू क्रूज जहाजों के लिए सुविधाओं का निर्माण	मोरमुगाओ पोर्ट ट्रस्ट	5000.00
13.	महाराष्ट्र	2021-22	मुंबई पोर्ट ट्रस्ट के इंदिरा डॉक पर अंतर्राष्ट्रीय क्रूज टर्मिनल का उन्नयन/आधुनिकीकरण	मुंबई पोर्ट ट्रस्ट	3750.00
	कुल				**23929.06**

स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत तटीय परिपथ और क्रूज परियोजना के लिए स्वीकृत परियोजनाओं की सूची

(राशि करोड़ रु. में)

क्र.सं.	**राज्य का नाम**	**वर्ष**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि**
1.	आंध्र प्रदेश	2014-15	काकीनाडा - होप द्वीप - कोरिंगा वन्यजीव अभयारण्य - पासरलापुडी - अदुरु - स्यानम - कोटिपल्ली में सर्किट का विकास	67.83
2.	आंध्र प्रदेश	2015-16	नेल्लोर, पुलिकट झील, उब्बलामादुगु झरने, नेलापट्टू पक्षी अभयारण्य, मायपाडु समुद्र तट, रामतीर्थम का विकास	49.55
3.	पुडुचेरी	2015-16	दूबरायपेट, अरिकामेडु चीनंवीरमपट्टिनम, चुन्नांबामर, नल्लावडु, मनापेट, कालापेट, फ्रेंच क्वार्टर, तमिल क्वार्टर और यानम का विकास	58.44
4.	पश्चिम बंगाल	2015-16	बीच सर्किट का विकास: उदयपुर - दीघा - शंकरपुर - ताजपुर - मंदारमणि - फ्रेजरगंज - बक्खलाई - हेनरीआइलैंड	67.99
5.	महाराष्ट्र	2015-16	सिंधुदुर्ग तटीय सर्किट (शिरोडा बीच, सागरेश्वर, तारकरली, विजयदुर्ग (समुद्र तट और क्रीक), देवगढ़ (किला और समुद्र तट), मितभाव, टोंडावली, मोसेहमद और निवती किला) का विकास	19.06

6.	गोवा	2016-17	सिंक्वेरिम - बागा, अंजुना - वागाटोर, मोरजिम - केरी, अगुआड़ा किला और अगुआड़ा जेल का विकास	97.65
7.	ओडिशा	2016-17	गोपालपुर, बरकुल, सातपाड़ा और तमपाड़ा का विकास	70.82
8.	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	2016-17	लॉन्ग आइलैंड - रॉस स्मिथ आइलैंड - नील आइलैंड - हैवलॉक आइलैंड - बाराटांग आइलैंड - पोर्टब्लेयर का विकास	27.57
9.	तमिलनाडु	2016-17	चेन्नई - मामल्लापुरम - रामेश्वरम - कुलसेकरनपट्टिनम - कन्याकुमारी का विकास	73.13
10.	गोवा	2017-18	रुआ डी ओरम क्रीक - डॉन पाउला - कोलवा - बेनौलीम का विकास	99.35
11.	केरल	2018-19	मलानाड मालाबार क्रूज पर्यटन परियोजना का विकास	57.35
	कुल			**688.74**

*****